यह पुस्तक **Council for the Indian School Certificate Examinations, New Delhi** द्वारा निर्मित एवं अनुशंसित नवीनतम पाठ्यक्रम पर आधारित है।

1

नवीन पल्लव

हिंदी पाठ्य पुस्तक

Text-cum-Workbook

संपादकद्वय

डॉ० रामसुधार सिंह
एम. ए., पीएच. डी.
पूर्व अध्यक्ष, हिंदी विभाग
उदय प्रताप स्वायत्तशासी कॉलेज, वाराणसी
सम्मानित प्रवक्ता
नवसाधना रीजनल पास्टोरल सेंटर, वाराणसी

डॉ० विवेक पाण्डेय
साहित्याचार्य, एम. ए., पीएच. डी.
रीडर, हंडिया पी.जी. कॉलेज, हंडिया
इलाहाबाद

विशेष सहयोग
फ़ादर रॉक डिकोस्टा

JOY IN LEARNING ™
MARINA
अमृता प्रकाशन
(मरीना पब्लिकेशंस प्रा. लि. की एक इकाई)

कॉपीराइट ©
सर्वाधिकार सुरक्षित। प्रकाशक की लिखित पूर्वानुमति के बिना
पुस्तक का कोई भी अंश प्रकाशन के लिए वर्जित है।

ACKNOWLEDGEMENTS :
The publishers have made every effort to contact copyright holders. However, if any material has not been acknowledged, the publishers would be pleased to correct this at the earliest.

No part of this publication which is material protected by this copyright notice may be reproduced or transmitted or utilized or stored in any form or by any means now known or hereinafter invented, electronic, digital or mechanical, including photocopying, scanning, recording or by any information storage or retrieval system, without prior permission from the publishers.

Information contain



अपनी ओर से.....

'**नवीन पल्लव**' हिंदी पाठ्य-पुस्तक शृंखला **Council for the Indian School Certificate Examinations, New Delhi** द्वारा निर्धारित नवीनतम पाठ्यक्रम के परिप्रेक्ष्य में परंपरा एवं आधुनिकता का निर्वाह करते हुए बच्चों के सर्वांगीण विकास को लक्ष्य में रखकर निर्मित की गई है। पुस्तक निर्माण प्रक्रिया में इसका पूरा प्रयास किया गया है। राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा 2005 के निर्दिष्ट सिद्धांतों शिक्षण अधिगम प्रक्रिया को रुचिपूर्ण, मनोरंजक एवं सहजता से परिपूर्ण, साथ ही भाषा सीखने का बोझ कम करने तथा पाठ्यसामग्री को रोजमर्रा के जीवन से जोड़कर किंतु भाषा शिक्षण के निकट रहते हुए सरलतम एवं सहजतम तरीके से बच्चों को परिचित कराया जाए।

प्रस्तुत पाठ्य-पुस्तक शृंखला के निर्माण में पूरी सजगता के साथ इस बात का ध्यान रखा गया है कि बच्चों में स्वयं से भाषा सीखने की क्षमता विकसित हो। सोपान दर सोपान व्याकरण को बालमन की पकड़ के अनुरूप बिना दुरूहता के प्रदान करने का प्रयास किया गया है। भाषा-कौशल हेतु बच्चों में स्वतंत्र रूप से चिंतन-क्षमता के विकास की कोशिश उसकी अपनी कल्पना शक्ति या विचारों को भाषा के माध्यम से सहज ढंग से एवं पूर्णरूप से अभिव्यक्त करने के लिए की गई है। हम यह संपूर्ण विश्वास से कह सकते हैं कि प्रस्तुत शृंखला नितांत छात्रोपयोगी एवं भाषा के आधारभूत संस्कार को विकसित करने में सक्षम है।

'**नवीन पल्लव**' पाठ्य-पुस्तक शृंखला की प्रस्तुत पुस्तक कक्षा 1 के विद्यार्थियों के लिए तैयार की गई है। इसमें भाषा-ज्ञान के विविध कौशलों को समझने एवं विद्यार्थियों की कल्पनाशक्ति को विकसित करने के उद्देश्य से रोचक कहानियाँ, कविताओं, सामयिक निबंधों, जीवनी, लेख आदि अनेक विधाओं का समावेश किया गया है। पाठों के अंत में पूरी सावधानी से अभ्यास का निर्माण किया गया है। भाषा-ज्ञान की दृष्टि से अभ्यासों में वर्ण, पद, वाक्य-संरचना तक को अत्यंत सरलता एवं सहजता से युक्त बनाकर रखना इस शृंखला की विशिष्ट पहचान है। पुस्तक निर्माण के क्रम में इस बात का ध्यान रखा गया है कि बच्चे प्रारंभ से अंत तक प्रसन्नतापूर्वक कहीं गाते हुए एवं परस्पर कुछ चर्चा करते हुए भाषा को सीख सकें। शृंखला के पाठों का संकलन इस रूप में किया गया है कि विद्यार्थियों में राष्ट्रप्रेम, पर्यावरण संरक्षण, सामयिक समस्याओं के ज्ञान के साथ ही परिश्रम, सहयोग, स्वच्छता, मिलजुल कर काम करने की भावना इत्यादि नैतिक एवं सामाजिक मूल्यों का विकास हो सके।

'**नवीन पल्लव**' हिंदी पाठ्य पुस्तक शृंखला के निर्माण से पूर्व अनेक विशिष्ट विद्वानों, उत्कृष्ट शिक्षकों एवं सजग अभिभावकों के महत्वपूर्ण सुझाव आमंत्रित किए गए एवं यथासंभव उन्हें यत्र-तत्र सम्मिलित भी किया गया है।

प्रस्तुत पुस्तक शृंखला को स्तरीय एवं बालोपयोगी बनाने में सहयोग के लिए हम प्रो० विजय बहादुर सिंह, हिंदी विभाग, काशी हिंदू विश्वविद्यालय; डॉ० सुमन सिंह, हरिश्चंद्र पी०जी० कॉलेज, वाराणसी; डॉ० श्रद्धा सिंह, सेंट्रल हिंदू गर्ल्स स्कूल, वाराणसी; डॉ० सुमन सिंह, गवर्नमेंट पी०जी० कॉलेज, मगरहा, मिर्जापुर एवं श्री जय प्रकाश मिश्र, शोध समन्वयक के विशेष आभारी हैं। इसी क्रम में यह विशेष रूप से उल्लेखनीय है कि पुस्तक शृंखला के निर्माण में हमें निरंतर मार्गदर्शन एवं सकारात्मक सहयोग आदरणीय फ़ादर रॉक डिकोस्टा से मिलता रहा है। अहिंदी भाषी होते हुए भी हिंदी भाषा एवं साहित्य के प्रति आपका समर्पण स्तुत्य है। इस भाव को साक्षी रखकर हम आपके प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करते हैं।

अंत में हम आभारी हैं उन विशिष्ट लेखकों एवं रचनाकारों के, जिनकी रचनाएँ इस पुस्तक शृंखला में आधार सामग्री के रूप में समाहित की गई हैं। आशा है प्रस्तुत पाठ्यपुस्तक शृंखला अपने उद्देश्य को पूरा करने में सफल एवं समर्थ होगी। संशोधन एवं परिवर्द्धन एक सतत् प्रक्रिया है। इस शृंखला को और अधिक उपयोगी बनाने हेतु हमें शिक्षकों एवं अभिभावकों के बहुमूल्य सुझावों की प्रतीक्षा रहेगी। स्खलिति मानव प्रवृत्ति है। अतः पुस्तक शृंखला में यदि कहीं त्रुटि या विसंगति हो, तो उसे भी आप संपादक मंडल तक प्रेषित करने की कृपा करें।

संपूर्ण विनम्र अनुरोध के साथ.....



डॉ० रामसुधार सिंह
डॉ० विवेक पाण्डेय

पुस्तक - परिचय

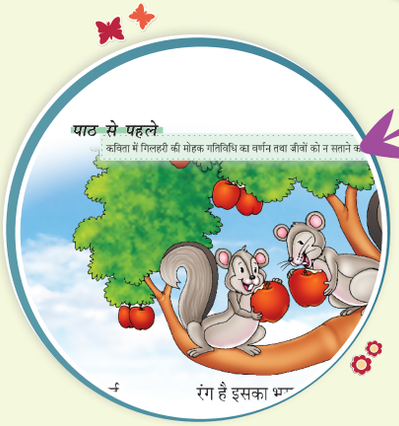

पाठ का केंद्रीय भाव

बच्चों की सहज प्रवृत्ति, गतिविधियों एवं परिवेश के अनुसार पाठ का संचयन

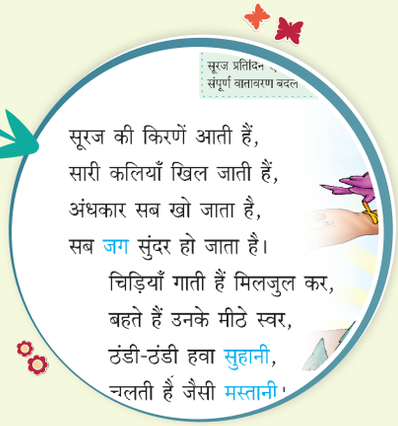



आकर्षक तथा बोधगम्य चित्रों का संकलन

विषयवस्तु से प्राप्त सारभूत संदेश



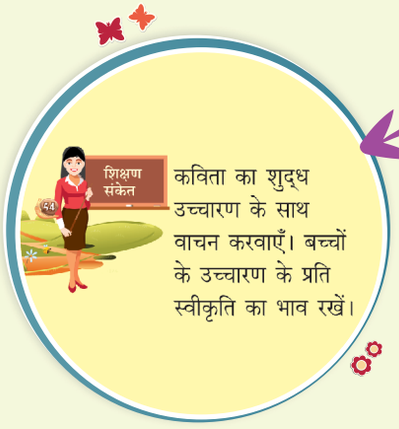

अभ्यास के अतिरिक्त अन्य तथ्यों की जानकारी हेतु शिक्षकों को संकेत



दैनिक व्यवहार में आने वाले शब्दों का संकलन

सही उच्चारण के साथ सुनकर शुद्ध लिखने का अभ्यास

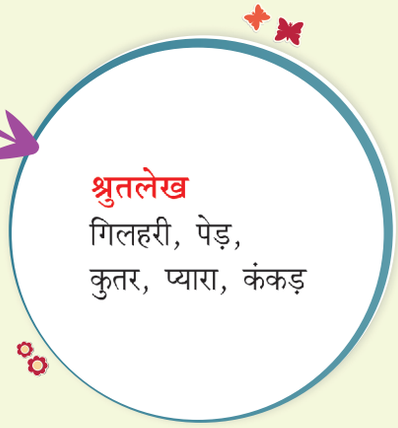

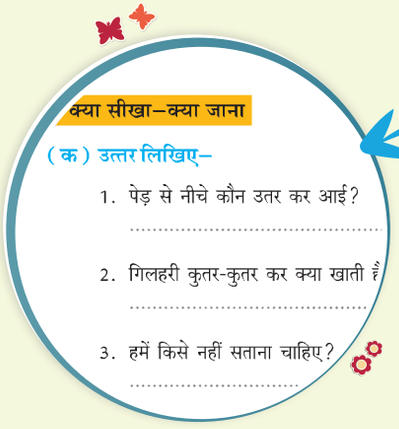

पाठ का समग्र बोध कराने हेतु सम्पूर्ण प्रश्न प्रारूप

व्याकरणिक स्वरूप को समझाना तथा भाषा ज्ञान को विकसित करना

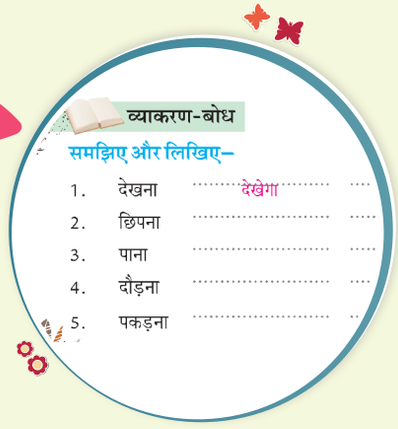

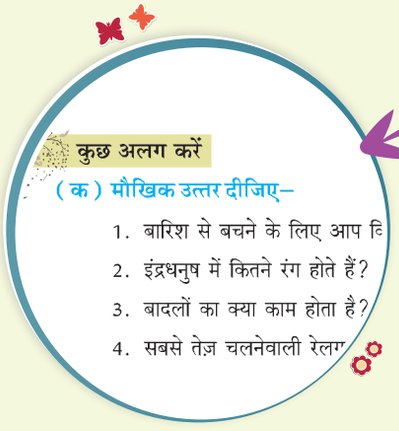

पाठ्येतर मौखिक प्रश्न एवं गतिविधियाँ

पाठ मूल्यांकन

पाठ क्रम	पाठ का नाम	विधा	भाषायी कौशल	शिक्षण संकेत
1.	**बिना मात्रा वाले शब्द**	—	बिना मात्रा के दो अक्षर, तीन अक्षर एवं चार अक्षर वाले शब्दों का ज्ञान, उच्चारण करना, चित्रों को देखकर नाम लिखना, सुलेख लिखना, शब्द पहेली से शब्द चुनना, उदाहरण के अनुसार ख़ाली जगह भरना।	बिना मात्रा के शब्दों को सुंदर और शुद्ध रूप में लिखवाएँ।
2.	**'आ' (ा) की मात्रा**	—	आ (ा) की मात्रा वाले दो अक्षर, तीन अक्षर एवं चार अक्षर वाले शब्दों का ज्ञान, उच्चारण करना, चित्रों को देखकर नाम लिखना, सुलेख लिखना, चित्रों में उचित रंग भरना।	आ (ा) की मात्रा वाले शब्दों को सुंदर और शुद्ध रूप में लिखवाएँ।
3.	**'इ' (ि) की मात्रा**	—	इ (ि) की मात्रा वाले दो अक्षर, तीन अक्षर एवं चार अक्षर वाले शब्दों का ज्ञान, उच्चारण करना, चित्रों को देखकर नाम लिखना, सुलेख लिखना, शब्द बनाना	इ (ि) की मात्रा वाले शब्दों को सुंदर और शुद्ध रूप में लिखवाएँ।
4.	**'ई' (ी) की मात्रा**	—	ई (ी) की मात्रा वाले दो अक्षर, तीन अक्षर एवं चार अक्षर वाले शब्दों का ज्ञान, उच्चारण करना, चित्रों को देखकर नाम लिखना, सुलेख लिखना, सही शब्द बनाना, शब्द-पहेली से शब्द ढूँढ़कर लिखना।	ई (ी) की मात्रा वाले शब्दों को सुंदर और शुद्ध रूप में लिखवाएँ।
5.	**'उ' (ु) की मात्रा**	—	उ (ु) की मात्रा वाले दो अक्षर, तीन अक्षर एवं चार अक्षर वाले शब्दों का ज्ञान, उच्चारण करना, चित्रों को देखकर नाम लिखना, सुलेख लिखना, ख़ाली जगह भरना।	उ (ु) की मात्रा वाले शब्दों को सुंदर और शुद्ध रूप में लिखवाएँ।
6.	**'ऊ' (ू) की मात्रा**	—	ऊ (ू) की मात्रा वाले दो अक्षर, तीन अक्षर एवं चार अक्षर वाले शब्दों का ज्ञान, उच्चारण करना, अक्षरों का प्रयोग कर शब्द बनाना, चित्रों को देखकर नाम लिखना, सुलेख लिखना।	ऊ (ू) की मात्रा वाले शब्दों को सुंदर और शुद्ध रूप में लिखवाएँ।
7.	**'ऋ' (ृ) की मात्रा**	—	ऋ (ृ) की मात्रा वाले दो अक्षर, तीन अक्षर एवं चार अक्षर वाले शब्दों का ज्ञान, उच्चारण करना, ऋ की मात्रा लगाना, सुलेख लिखना, मिलान करना।	ऋ (ृ) की मात्रा वाले शब्दों को सुंदर और शुद्ध रूप में लिखवाएँ।
8.	**ए (े) की मात्रा**	—	ए (े) की मात्रा वाले दो अक्षर, तीन अक्षर एवं चार अक्षर वाले शब्दों का ज्ञान, उच्चारण करना, ए की मात्रा लगाना, चित्र देखकर नाम लिखना, सुलेख लिखना, टोकरी में से अक्षर निकालकर शब्द बनाना।	ए (े) की मात्रा वाले शब्दों को सुंदर और शुद्ध रूप में लिखवाएँ।
9.	**ऐ (ै) की मात्रा**	—	ऐ (ै) की मात्रा वाले दो अक्षर, तीन अक्षर एवं चार अक्षर वाले शब्दों का ज्ञान, उच्चारण करना, वर्णों को सही क्रम में लगाकर चित्रों के नाम लिखना, चित्रों को देखकर नाम लिखना, ऐ की मात्रा लगाकर शब्द बनाना।	ऐ (ै) की मात्रा वाले शब्दों को सुंदर और शुद्ध रूप में लिखवाएँ।
10.	**ओ (ो) की मात्रा**	—	ओ (ो) की मात्रा वाले दो अक्षर, तीन अक्षर, चार अक्षर वाले शब्दों का ज्ञान, उच्चारण करना, शब्द बनाना, चित्रों के नाम लिखना, सुलेख लिखना, शब्द-सीढ़ी पूरी करना।	ओ (ो) की मात्रा वाले शब्दों को सुंदर एवं शुद्ध रूप में लिखवाएँ।

पाठ मूल्यांकन

पाठ क्रम	पाठ का नाम	विधा	भाषायी कौशल	शिक्षण संकेत
11.	**औ (ौ) की मात्रा**	—	औ (ौ) की मात्रा वाले दो अक्षर, तीन अक्षर, चार अक्षर वाले शब्दों का ज्ञान, उच्चारण करना, ख़ाली स्थान भरना, चित्रों के नाम लिखना, सुलेख लिखना	औ (ौ) की मात्रा वाले शब्दों को सुंदर एवं शुद्ध रूप में लिखवाएँ।
12.	**अनुस्वार (ं), चंद्र-बिंदु (ँ) और विसर्ग (:)**	—	ं, ँ, : वाले शब्दों का ज्ञान, उच्चारण करना, शब्दों पर ं, ँ, : लगाकर लिखना, चित्रों को देखकर नाम लिखना, सुलेख लिखना।	ं, ँ, :, की मात्रा वाले शब्दों को सुंदर और शुद्ध रूप में लिखवाएँ
13.	**रेफ़ (र्ं) और पदेन (्र, ्र)**	—	र्ं, ्र, ्र वाले शब्दों का ज्ञान, उच्चारण करना, शब्दों पर र्ं, ्र, ्र लगाकर लिखना, चित्रों को देखकर नाम लिखना, सुलेख लिखना।	र्ं, ्र, ्र की मात्रा वाले शब्दों को सुंदर और शुद्ध रूप में लिखवाएँ।
14.	**संयुक्ताक्षर (क्ष, त्र, ज्ञ)**	—	क्ष, त्र, ज्ञ वाले शब्दों का ज्ञान, उच्चारण करना, शब्द बनाना, चित्रों को देखकर नाम लिखना।	क्ष, त्र, ज्ञ वाले शब्दों को सुंदर और शुद्ध रूप में लिखवाएँ।
15.	**सुबह**	कविता	कविता पढ़ना, शब्दों का अर्थ, श्रुतलेख, उत्तर लिखना पंक्तियाँ पूरी करना, मिलान करना, मौखिक उत्तर देना, वाक्य पूरा करना, सही का निशान लगाना।	कविता का वाचन करवाएँ एवं कठिन शब्दों को लिखवाएँ।
16.	**झूठी दावत**	कहानी	कहानी पढ़ना, शब्दों के अर्थ, श्रुतलेख, उत्तर लिखना वाक्य पूरा करना, मिलान करना, मौखिक उत्तर देना चित्र पूरा करना, पढ़ना और गाना।	कहानी को शुद्ध उच्चारण के साथ पढ़ाएँ।
17.	**आओ, करें प्रणाम**	कविता	कविता पढ़ना एवं शब्दों के अर्थ, श्रुतलेख, उत्तर लिखना कविता की पंक्तियाँ पूरी करना, शब्द बनाना, मौखिक उत्तर देना, चित्र पहचानकर नाम लिखना।	कक्षा में कविता का वाचन कराएँ।
18.	**बहादुर भोला**	कहानी	कहानी पढ़ना, शब्दों के अर्थ, श्रुतलेख, उत्तर लिखना, रिक्त स्थानों की पूर्ति करना, शब्दों के शुद्ध रूप लिखना मौखिक उत्तर लिखना, सब्जियों के नाम लिखना, देश के बहादुरों के नाम लिखना।	कहानी को शुद्ध उच्चारण के साथ पढ़ाएँ।
19.	**गिलहरी**	कविता	कविता पढ़ना, शब्दों के अर्थ, श्रुतलेख, उत्तर लिखना, पंक्तियाँ पूरी करना, समझना और लिखना, मौखिक उत्तर देना।	गिलहरी के रहन-सहन के बारे में बच्चों को बताएँ।
20.	**समझदार किसान**	कहानी	कहानी पढ़ना, शब्दों के अर्थ, श्रुतलेख, उत्तर लिखना, मेल करना, समझकर लिखना, मौखिक उत्तर देना, मिलान करना।	कहानी को शुद्ध उच्चारण के साथ पढ़ाएँ।
21.	**चंदा मामा**	कविता	कविता पढ़ना, शब्दों के अर्थ, श्रुतलेख, उत्तर लिखना, पंक्यिाँ पूरी करना, समझकर लिखना, मौखिक उत्तर देना, मिलान करना।	चाँद के विषय में बच्चों को बताएँ।
22.	**वाराणसी का भ्रमण**	पत्र	पत्र लिखना, शब्दों के अर्थ, श्रुतलेख, उत्तर लिखना मिलान करना, मौखिक उत्तर देना, ऐतिहासिक स्थलों की पहचानकर नाम लिखना।	पत्र-लेखन की शैली से बच्चों को अवगत कराएँ।
23.	**हम बच्चे बलवान बनेंगे**	कविता	कविता पढ़ना, शब्दों के अर्थ, श्रुतलेख, उत्तर लिखना, रिक्त स्थानों की पूर्ति करना, समझकर लिखना, मौखिक उत्तर देना, चित्रों को पहचानकर नाम लिखना।	कविता का सस्वर वाचन कराएँ।

पाठ क्रम

- चित्रकथा 9
- मैं और मेरा परिवेश 10
- रिश्ते-नाते 11
- वर्णमाला 12
- गतिविधि-1 15
- गतिविधि-2 16

1. बिना मात्रा वाले शब्द 17
2. आ (ा) की मात्रा 21
3. इ (ि) की मात्रा 24
4. ई (ी) की मात्रा 27
5. उ (ु) की मात्रा 30
6. ऊ (ू) की मात्रा 33
7. ऋ (ृ) की मात्रा 36
8. ए (े) की मात्रा 39
9. ऐ (ै) की मात्रा 42
10. ओ (ो) की मात्रा 46
11. औ (ौ) की मात्रा 50
12. अनुस्वार (ं), चंद्रबिंदु (ँ) और विसर्ग (:) 53

- बारहखड़ी 56

13. रेफ़ (र्) और पदेन (◌़, ◌़) 59
14. संयुक्ताक्षर (क्ष, त्र, ज्ञ) 62
15. सुबह 65
    - कविता
    डॉ. श्रीप्रसाद
16. झूठी दावत 69
    - कहानी
    डॉ. (श्रीमती) हिमांशु पाण्डेय
17. आओ, करें प्रणाम 74
    - कविता
    प्रकाश मनु
18. बहादुर भोला 78
    - कहानी
    कालीचरण प्रेमी
19. गिलहरी 84
    - कविता
    मदन देवड़ा
20. समझदार किसान 88
    - कहानी
21. चंदा मामा 92
    - कविता
    शकुंतला सिरोठिया
22. वाराणसी का भ्रमण 96
    - पत्र
23. हम बच्चे बलवान बनेंगे 101
    - कविता

चित्रकथा

पाठ से पहले

बच्चों को चित्रकथा के विषय में बताते हुए यह कहानी रोचक ढंग से सुनाएँ। फिर उनसे पूछें– ख़रगोश कैसा होता है? कछुआ धीरे-धीरे क्यों चलता है? ख़रगोश और कछुए में क्या शर्त लगी? अंत में किसकी जीत हुई और क्यों? ख़रगोश क्यों हार गया; इत्यादि। ख़रगोश और कछुए के रहन-सहन के विषय में भी बच्चों को जानकारी दें।

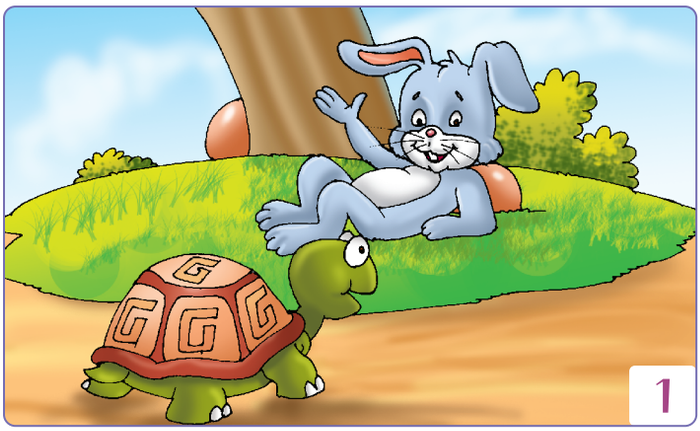





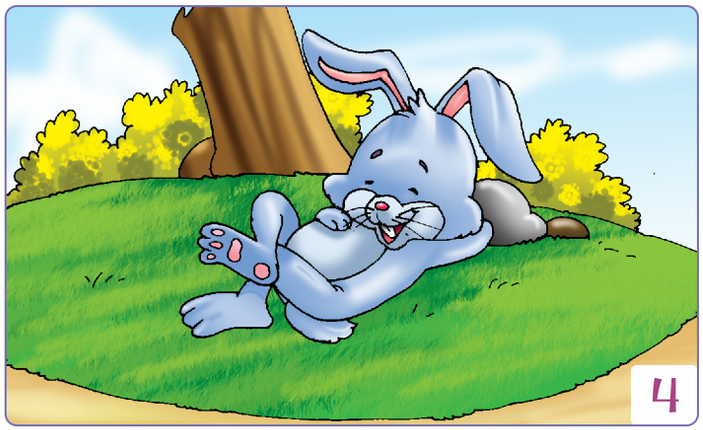



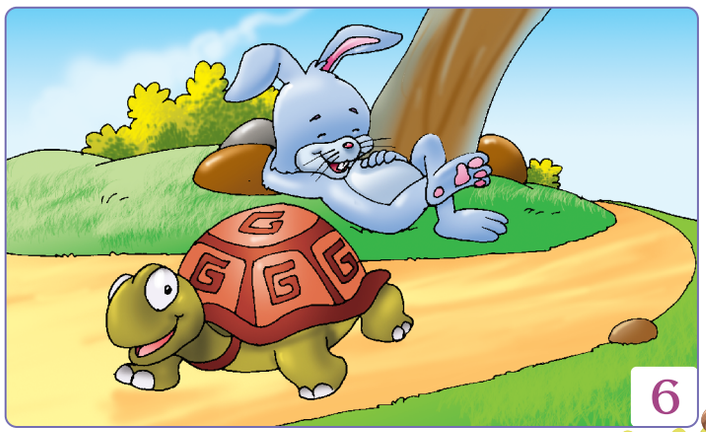

मैं और मेरा परिवेश

(चित्र चिपकाइए)

मेरा नाम .....

माँ का नाम .....

पिता जी का नाम .....

भाई/बहन का नाम .....

दादा जी का नाम .....

दादी जी का नाम .....

मेरे दोस्त

सबसे अच्छा दोस्त .....

पड़ोसी दोस्तों के नाम–

1. .....
2. .....
3. .....
4. .....

विद्यालय के दोस्तों के नाम

1. .....
2. .....
3. .....
4. .....

रिश्ते-नाते

चित्र चिपकाइए–

दादा जी

दादी जी

नाना जी

नानी जी

ताऊ जी

ताई जी

मामा जी

मामी जी

चाचा जी

चाची जी

मौसा जी

मौसी जी

बुआ जी

फूफा जी

भैया जी

दीदी जी